আল-লাজনাতুশ শারইয়্যাহ লিদ-দাওয়াতি ওয়ান-নুসরাহ
اللجنة الشرعية للدعوة والنصرة
উচ্চতর ইসলামী আইন গবেষণা বিভাগ
fatwaa.org

ফাতওয়া নাম্বার: ৩ প্রকাশকালঃ ১৯/০২/২০১৮ইং

সফরে কসর করার ক্ষেত্রে কোন রাস্তা ধর্তব্য?

প্রশ্ন:

জনৈক ব্যক্তির বাড়ি থেকে ঢাকা আসতে দু'টি রাস্তা আছে। একটির দূরত্ব ৭৮ কিলোমিটার। অন্যটির দূরত্ব ৭৮ কিলোমিটার থেকে অনেক কম। এখন আমার জানার বিষয় হলো, দু'রাস্তার কোনটির কি হুকুম? কোনটি দিয়ে যাতায়াত কালে সে ব্যক্তি মুকিম থাকবে, আর কোনটিতে মুসাফির বলে গণ্য হবে?

নিবেদক
খালেদ শেখ, বগুড়া

উত্তর:

الجواب و منه الصدق والصواب

উপরোক্ত সূরতে সে ব্যক্তি যদি সফরের নিয়তে ৭৮ কিলোমিটার দূরত্বের রাস্তা দিয়ে ঢাকার উদ্দেশ্যে যাতায়াত করে, তাহলে সে মুসাফির বলে গণ্য হবে। পক্ষান্তরে ৭৮ কিলোমিটারের চেয়ে কম দূরত্বের রাস্তায় যাতায়াত করলে মুসাফির হবে না।

المراجع والمصادر:

إذا قصد بلدة وإلى مقصده طريقان أحدهما مسيرة ثلاثة أيام ولياليها والآخر دونها فسلك الطريق الأبعد كان مسافرا عندنا، و إن سلك الأقصر يتمّ، اهـ ـــ البحر الرائق: جـــ 2 صـــ 228 ط. زكريّا

ولو لموضع طريقان أحدهما مدّة السفر والآخر أقل قصّر في الأوّل، لا الثاني. اهـ ـــ الدرّ المختار: جـــ 2 صـــ 726 ط. مكتبة الأزهر بداكا

وتعتبر المدة من أي طريق أخذ فيه، كذا في البحر الرائق فإذا قصد بلدة وإلى مقصده طريقان أحدهما مسيرة ثلاثة أيام ولياليها والآخر دونها فسلك الطريق الأبعد كان مسافرا عندنا، هكذا في فتاوى قاضي خان، وإن سلك الأقصر يتم، كذا في البحر الرائق. ولو كان في موضع له طريقان: أحدهما في الماء وهو يقطع في ثلاثة أيام والثاني في البر وهو يقطع في يومين فإنه إذا ذهب في طريق الماء يقصر وفي البر لا يقصر اهـ ـــ الفتاوى الهنديّة: جـــ 1 صـــ 199 ط. دار الفكر ـــ

جس راستے سے مسافر جارہا ہو اسی راستہ کی مسافت کا اعتبار ہو گا ، لہذا اگر اس راستہ کی مسافت سفر شرعی کے اندازہ سے پوری ہو تو چلنے والا مسافر شمار ہو گا اگر چہ دوسراراستہ قریب کا بھی ممکن ہو- فتاوی حقانیہ: ج 3 ص 352 ط: زکریا بکڈپو دیو بند یوپی

ويراجع أيضاً: بدائع الصنائع: جـــ 1 صـــ 263 ط. زكريّا، فتاوى قاضيخان: جـــ 1 صـــ 104 ط. دار الفكر، خلاصة الفتاوى: جـــ 1 صـــ 198 ط.المكتبة

الأشرفيّة آپ کے مسائل اور ان کا حل :ج 4 ص 79 ط: زکریا بکڈپو دیوبند یوپی

فقط واللّه تعالی أعلم بالصواب

আবু মুহাম্মাদ আব্দুল্লাহ আলমাহদী (হাফিজাহুল্লাহ)
১৯-০২-২০১৮ ইং